

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग
लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *14

जिसका उत्तर सोमवार, 21 जुलाई, 2025/30 आषाढ़, 1947 (शक) को दिया गया

उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए ऋण की सुलभता

*14. श्री पुष्पेन्द्र सरोज:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति के कितने व्यक्तियों ने वर्ष 2021 से मुद्रा, पीएमईजीपी और स्टैण्ड-अप इंडिया योजनाओं के अंतर्गत ऋण लिया है;
- (ख) उत्तर प्रदेश में औपचारिक ऋण सुलभता में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों का जिला-वार हिस्सा कितना है;
- (ग) उत्तर प्रदेश में विगत तीन वर्षों के दौरान बैंकों द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों से प्राप्त ऋण संबंधी आवेदनों की संख्या कितनी है और उन्हें निरस्त या अस्वीकार किए जाने के क्या कारण हैं; और
- (घ) क्या सरकार ने सार्वजनिक और निजी बैंकों को अनुसूचित जाति की अधिक जनसंख्या वाले जिलों में अनुसूचित जाति ऋण संवितरण संबंधी न्यूनतम कोटा हेतु कोई निदेश जारी किए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त कोटे को पूरा करने में विफल रहने वाले बैंकों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

वित्त मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारामन)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

“उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए ऋण की सुलभता” के संबंध में श्री पुष्पेन्द्र सरोज द्वारा पूछे गए दिनांक 21.7.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *14 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति (अ.जा.) से संबंधित उधारकर्ता जिन्होंने वर्ष 2021 से प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और स्टैंड-अप इंडिया योजनाओं के अंतर्गत ऋण (संवितरित खाते) का लाभ उठाया है, की संख्या निम्नानुसार है:

पीएमएमवाई	पीएमईजीपी	स्टैंड अप इंडिया
69,93,069	5,653	1,793

(ख): उत्तर प्रदेश में औपचारिक ऋण तक पहुंच में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों का जिला-वार शेयर अनुबंध-I में दिया गया है।

(ग) और (घ): ऋण आवेदनों को अस्वीकृत किए जाने के संबंध में सूचना केन्द्रीय रूप से नहीं रखी जा रही है। तथापि, ऋण आवेदनों को अस्वीकृत किए जाने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:-

- परियोजना की अव्यवहार्यता।
- स्वीकृति पूर्व चरण में पाई गई विसंगतियां, जैसे केवाईसी मानदंडों का अनुपालन न करना, उल्लिखित पते पर उधारकर्ता का न पाया जाना आदि।
- उधारकर्ता का असंतोषजनक ऋण इतिवृत्त जैसे खराब सिबिल स्कोर, एनपीए खाता आदि।
- परियोजना आदि से संबंधित आवश्यक पंजीकरण/अनुमोदन की अनुपलब्धता जहां कहीं अपेक्षित हो।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र उधार के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर निदेशों के अनुसार, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण के लिए समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी)/तुलन-पत्र बाह्य (ऑफ-बैलेंस शीट) एक्सपोजर के समतुल्य ऋण (सीईओबीई), इनमें से जो भी अधिक हो, का 40% का समग्र लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 40% के इस समग्र लक्ष्य में, कमजोर वर्गों को ऋण देने के लिए 12% का उप-लक्ष्य अनिवार्य किया गया है, जिसमें, अन्य बातों के साथ-साथ, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अल्पसंख्यक समुदाय शामिल हैं।

यदि इन लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जाता है, तो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णय के अनुसार ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) जैसी निर्दिष्ट निधियों और नाबार्ड/एनएचबी/सिडबी/मुद्रा लिमिटेड की अन्य निधियों में अंशदान के माध्यम से कमी को दूर किया जाता है। इन निधियों का प्राथमिक उद्देश्य देश के आर्थिक विकास और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों का सहायता करना है।

दिनांक 21.7.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *14 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध-1		
क्र.सं.	जिला का नाम	एससी वर्ग (ऋण खातों की संख्या) के शेयर का %
1	आगरा	15.42%
2	अलीगढ़	6.97%
3	अंबेडकर नगर	7.14%
4	अमेठी	18.97%
5	अमरोहा	2.32%
6	औरैया	4.79%
7	अयोध्या	4.47%
8	आजमगढ़	12.41%
9	बागपत	3.74%
10	बहराईच	4.43%
11	बलिया	4.30%
12	बलरामपुर	2.01%
13	बाँदा	7.39%
14	बाराबंकी	8.72%
15	बरेली	16.54%
16	बस्ती	5.99%
17	भदोही	10.49%
18	बिजनौर	10.38%
19	बदायूं	2.97%
20	बुलन्दशहर	7.32%
21	चंदौली	9.82%
22	चित्रकूट	13.57%
23	देवरिया	5.96%
24	एटा	5.32%
25	इटावा	12.56%
26	फर्रुखाबाद	4.63%
27	फतेहपुर	5.02%
28	फिरोजाबाद	9.55%
29	गौतमबुद्ध नगर	2.62%
30	गाजियाबाद	1.85%
31	गाजीपुर	11.98%
32	गोंडा	2.12%
33	गोरखपुर	12.11%
34	हमीरपुर	9.11%
35	हापुड	7.56%
36	हरदोई	8.99%
37	हाथरस	10.34%
38	जालौन	10.77%
39	जौनपुर	10.16%
40	झांसी	7.25%

41	कन्नौज	5.27%
42	कानपुर देहात	6.06%
43	कानपुर नगर	5.99%
44	कासगंज	6.03%
45	कौशांबी	10.36%
46	कुशीनगर	4.41%
47	लखीमपुर खीरी	10.41%
48	ललितपुर	6.27%
49	लखनऊ	12.42%
50	महाराजगंज	5.03%
51	महोबा	12.03%
52	मैनपुरी	4.41%
53	मथुरा	5.03%
54	मऊ	6.55%
55	मेरठ	6.64%
56	मिर्जापुर	13.79%
57	मुगदाबाद	33.46%
58	मुजफ्फरनगर	4.29%
59	पीलीभीत	3.98%
60	प्रतापगढ़	6.50%
61	प्रयागराज	7.67%
62	रायबरेली	5.79%
63	रामपुर	3.12%
64	सहारनपुर	10.28%
65	संभल	2.37%
66	संतकबीर नगर	19.94%
67	शाहजहांपुर	5.83%
68	शामली	3.05%
69	श्रावस्ती	6.99%
70	सिद्धार्थनगर	3.67%
71	सीतापुर	16.31%
72	सोनभद्र	13.94%
73	सुल्तानपुर	5.73%
74	उन्नाव	8.08%
75	वाराणसी	27.65%
